

The Quarrel Summary In English

The poet quarrelled with his brother on some very petty matter. It was so petty that now he does not remember what it was. One thing led to another. Both of them felt that they were right. It had started as something small. It had become big in the end. So they began to hate each other. The afternoon became very tense and unpleasant for both of them.

Then suddenly, the poet's brother patted him on the back. He said that the two of them could not go along like that for a long time. It would be difficult to pass the night in that manner. He said that it was his mistake. Just then the poet felt that his brother was right. In fact he himself was wrong.

The Quarrel Summary In Hindi

किसी तुच्छ बात पर कवि का अपने भाई से झगड़ा हो गया। यह इतनी तुच्छ बात थी कि अब तो उसे याद भी नहीं कि वह बात क्या थी ? एक बात से दूसरी बात निकलती चली गई। दोनों को लगता था कि उनकी बात सही है। छोटी-सी चीज के रूप में यह प्रारंभ हुआ था और अंत में बहुत बड़ा बन गया था। अंत में वे दोनों एक-दूसरे से घृणा करने लगे। दिन का तीसरा प्रहर दोनों के लिए बड़ा तनाव और दुःख से भरा था।

तभी अचानक कवि के भाई ने उसकी पीठ थपथपायी। वह बोला कि इस तरह वे दोनों अधिक समय नहीं रह पाएँगे। इस तरह से रात गुजारना कठिन हो जाएगा। उसने कहा कि गलती उसकी थी। बिल्कुल तभी कवि को लगा कि उसका भाई सही था और गलती स्वयं उसकी थी।

Wisdom Academy